सामान्य अध्ययन (मुख्य परीक्षा)
भारतीय समाज (Indian Society)

पाठ्यक्रम (Syllabus)

1. *Salient features of Indian Society*
   भारतीय समाज की मुख्य विशेषताएँ
2. *Diversity of India*
   भारत की विविधता
3. *Role of Women and women's organization*
   महिला एवं महिला संगठन की भूमिका
4. *Population and Associated Issues*
   जनसंख्या संबंधी मुद्दे
5. *Poverty and Developmental Issues*
   गरीबी एवं विकास संबंधी मुद्दे
6. *Urbanization, their problems and their remedies*
   शहरीकरण, उनकी समस्याएँ एवं उनके उपाय
7. *Effects of Globalization on Indian Society*
   वैश्वीकरण का भारतीय समाज पर प्रभाव
8. *Social empowerment, communalism, regionalism & secularism*
   सामाजिक सशक्तिकरण, सांप्रदायिकता, क्षेत्रवाद और धर्मनिरपेक्षता

UPSC - CSE - 2022 GS (Mains) Paper - I में 'इतिहास', 'भारतीय समाज' एवं 'भूगोल' खण्ड से पूछे गए प्रश्न

UPSC - CSE – 2022 : इतिहास – 06/75

1. स्पष्ट करें कि मध्यकालीन भारतीय मंदिरों की मूर्तिकला उस दौर के सामाजिक जीवन का प्रतिनिधित्व करती है। (150 शब्दों में उत्तर दें) 10
2. अधिकांश भारतीय सिपाहियों वाली ईस्ट इंडिया की सेना क्यों तत्कालीन भारतीय शासकों की संख्याबल में अधिक और बेहतर सुसज्जित सेना से लगातार जीतती रही? कारण बताएँ। (150 शब्दों में उत्तर दें) 10
3. औपनिवेशिक भारत की अठारहवीं शताब्दी के मध्य से क्यों अकाल पड़ने में अचानक वृद्धि देखने को मिलती है? कारण बताएँ। (150 शब्दों में उत्तर दें) 10
4. राज्यों एवं प्रदेशों का राजनीतिक और प्रशासनिक पुनर्गठन उन्नीसवीं शताब्दी के मध्य से निरंतर चल रही एक प्रक्रिया है। उदाहरण सहित विचार करें। (250 शब्दों में उत्तर दें) 15
5. भारतीय परम्परा और संस्कृति में गुप्त-काल और चोल-काल के योगदान पर चर्चा करें। (250 शब्दों में उत्तर दें) 15
6. भारतीय मिथक, कला और वास्तुकला में सिंह एवं वृषभ की आकृतियों के महत्व पर विचार करें। (250 शब्दों में उत्तर दें) 15

UPSC - CSE – 2022 : भारतीय समाज – 06/75

7. पारिवारिक सम्बन्धों पर 'वर्क फ्रॉम होम' के असर की छानबीन तथा मूल्यांकन करें (150 शब्दों में उत्तर दें) 10
8. उपभोक्ता संस्कृति के विशेष परिप्रेक्ष्य में नव मध्यवर्ग के उभार से टीयर-2 शहरों का विकास किस तरह सम्बन्धित है? (150 शब्दों में उत्तर दें) 10
9. भारत के जनजातीय समुदायों की विविधताओं को देखते हुए किस विशिष्ट सन्दर्भ के अन्तर्गत उन्हें किसी एकल श्रेणी में माना जाना चाहिए? (150 शब्दों में उत्तर दें) 10
10. भारतीय समाज में जाति, क्षेत्र तथा धर्म के समानांतर 'पंथ' की विशेषता की विवेचना कीजिए। (250 शब्दों में उत्तर दें) 15
11. क्या सहिष्णुता, सम्मिलन एवं बहुलता मुख्य तत्त्व हैं जो धर्मनिरपेक्षता के भारतीय रूप का निर्माण करते हैं? तर्कसंगत उत्तर दें। (250 शब्दों में उत्तर दें) 15
12. अपर्याप्त संसाधनों की दुनिया में भूमंडलीकरण एवं नए तकनीक के रिश्ते को भारत के विशेष सन्दर्भ में स्पष्ट करें। (250 शब्दों में उत्तर दें) 15

UPSC - CSE – 2022 : भूगोल – 08/100

13. प्राथमिक चट्टानों की विशेषताओं एवं प्रकारों का वर्णन कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दें) 10
14. भारतीय मौसम विज्ञान विभाग द्वारा चक्रवात प्रवण क्षेत्रों के लिए मौसम-सम्बन्धी चेतावनियों के लिए निर्धारित रंग-संकेत के अर्थ की चर्चा करें। (150 शब्दों में उत्तर दें) 10
15. 'दक्कन ट्रैप' की प्राकृतिक संसाधन-सम्भावनाओं की चर्चा कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दें) 10
16. भारत में पवन ऊर्जा की संभावना का परीक्षण कीजिए एवं उनके क्षेत्रीय विस्तार के कारणों को समझाइए। (150 शब्दों में उत्तर दें) 10
17. समुद्री धाराओं को प्रभावित करने वाली शक्तियाँ कौन-सी हैं? विश्व के मत्स्य-उद्योग में इनके योगदान का वर्णन करें। (250 शब्दों में उत्तर दें) 15
18. रबर उत्पादक देशों के वितरण का वर्णन करते हुए उनके द्वारा सामना किए जाने वाले प्रमुख पर्यावरणीय मुद्दों को इंगित कीजिए। (250 शब्दों में उत्तर दें) 15
19. अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में जलसंधि व स्थलसंधि के महत्व का उल्लेख कीजिए। (250 शब्दों में उत्तर दें) 15
20. क्षोभमंडल वायुमंडल का एक महत्वपूर्ण परत है जो मौसम प्रक्रियाओं को निर्धारित करता है। कैसे? (250 शब्दों में उत्तर दें) 15

'भारतीय समाज' खण्ड से UPSC द्वारा विगत वर्षों में पूछे गए प्रश्न

UPSC - CSE – 2022 : भारतीय समाज – 06/75

1. पारिवारिक संबधों पर 'वर्क फ्रॉक होम' के असर की छानबीन तथा मूल्यांकन करें।
2. उपभोक्ता संस्कृति के विशेष परिप्रेक्ष्य में नव मध्यवर्ग के उभार से टीयर 2 शहरों का विकास किस तरह संबंधित है?
3. भारत के जनजातीय समुदायों की विविधताओं को देखते हुए किस विशिष्ट संदर्भ के अंतर्गत उन्हें किसी एकल श्रेणी में माना जाना चाहिए?
4. भारतीय समाज में जाति, क्षेत्र तथा धर्म के समानांतर 'पंथ' की विशेषता की विवेचना कीजिए।
5. क्या सहिष्णुता, सम्मिलन एवं बहुलता मुख्य तत्त्व हैं जो धर्मनिरपेक्षता के भारतीय रूप का निर्माण करते हैं? तर्कसंगत उत्तर दें।
6. अपर्याप्त संसाधनों की दुनिया में भूमंडलीकरण एवं नए तकनीक के रिश्ते को भारत के विशेष सन्दर्भ में स्पष्ट करें। (250 शब्दों में उत्तर दें)

UPSC - CSE – 2021 : भारतीय समाज – 06/75

1. मुख्यधारा के ज्ञान और सांस्कृतिक प्रणालियों की तुलना में आदिवासी ज्ञान प्रणाली की विशिष्टता की जाँच कीजिए।
2. भारत में महिला सशक्तिकरण की प्रक्रिया में 'गिग इकॉनमी' की भूमिका का परीक्षण कीजिए।
3. भारत के प्रमुख शहरों में आईटी उद्योगों के विकास से उत्पन्न होने वाले मुख्य सामाजिक-आर्थिक प्रभाव क्या हैं?
4. जनसंख्या शिक्षा के प्रमुख उद्देश्यों की विवेचना करते हुए भारत में इन्हें प्राप्त करने के उपायों पर विस्तृत प्रकाश डालिए।
5. क्रिप्टोक्यूरेंसी क्या है? वैश्विक समाज को कैसे प्रभावित करता है? क्या यह भारतीय समाज को भी प्रभावित कर रही है?
6. भारतीय समाज पारंपरिक सामाजिक मूल्यों में निरंतरता कैसे बनाए रखता है? इनमें होने वाले परिवर्तनों को विवरण दीजिए।

UPSC - CSE – 2020 : भारतीय समाज – 06/75

1. बहु-सांस्कृतिक भारतीय समाज को समझने में क्या जाति की प्रासंगिकता समाप्त हो गई है? उदाहरणों सहित विस्तृत उत्तर दीजिए।
2. कोविड-19 महामारी ने भारत में वर्ग असमानताओं और गरीबी को गति दे दी है। टिप्पणी कीजिए।
3. क्या आप सहमत है कि भारत में क्षेत्रयता बढ़ती हई सांस्कृतिक मुखरता का परिणाम प्रतीत होती है? तर्क कीजिए।
4. क्या भारत में विविधता एवं बहुलवाद वैश्वीकरण के कारण संकट में हैं? ओचित्यपूर्ण उत्तर दीजिए।
5. रीति-रिवाजों एवं परंपराओं द्वारा तर्क को दबाने से प्रतिगविरोध उत्पन्न हुआ है। क्या आप इससे सहमत हैं?
6. भारत में डिजिटल पहल किस प्रकार से देश की शिक्षा व्यवस्था के संचालन में योगदान किया है? विस्तृत उत्तर दीजिए।

UPSC - CSE – 2019 : भारतीय समाज – 06/75

1. क्या बात है जो भारतीय समाज को अपनी संस्कृति को जीवित रखने में अद्वितीय बना देती है? चर्चा कीजिए।
2. "महिला सशक्तिकरण जनसंख्या संवृद्धि को नियंत्रित करने की कुंजी है।" चर्चा कीजिए।
3. धर्मनिरपेक्षता के नाम पर हमारी सांस्कृतिक प्रथाओं के सामने क्या-क्या चुनौतियाँ हैं?
4. क्या हमारे राष्ट्र में सर्वत्र लघु भारत के सांस्कृतिक क्षेत्र है? उदाहरणों के साथ सविस्तार स्पष्ट कीजिए।
5. भारत में महिलाओं के समक्ष समय और स्थान संबंधित निरंतर चनौतियाँ क्या-क्या हैं?
6. क्या हम वैश्विक पहचान के लिए अपनी स्थानीय पहचान को खोते जा रहे है।? चर्चा कीजिए।

UPSC - CSE – 2018 : भारतीय समाज – 06/75

1. "जाति व्यवस्था नई-नई पहचानों और सहचारी रूपों को धारण कर रही है। अंत:, भारत में जाति व्यवस्था का उन्मूलन नहीं किया जा सकता है।" टिप्पणी कीजिए।
2. 'भारत की सरकार द्वारा निर्धनता उन्मूलन के विभिन्न कार्यक्रमों के क्रियान्वयन के बावजूद, निर्धनता अभी भी विद्यमान है।' कारण प्रस्तुत करते हुए स्पष्ट कीजिए।
3. धर्मनिरपेक्षतावाद की भारतीय संकल्पना, धर्मनिरपेक्षतावाद के पश्चात्य माडल से किन-किन बातों में भिन्न है? चर्चा कीजिए।
4. 'भारत में महिलाओं के आंदोलन ने, निम्नतर सामाजिक स्तर की महिलाओं के मुद्दों को संबोधित नहीं किया है।' अपने विचार को प्रमाणित सिद्ध कीजिए।
5. 'आम तौर पर कहा जाता है कि वैश्वीकरण सांस्कृतिक समांगीकरण को बढ़ावा देता है, परन्तु ऐसा प्रतीत होता है कि भारतीय समाज में उसके कारण सांस्कृतिक विशिष्टताएं सुदृढ़ हो गई है।' सुस्पष्ट कीजिए।
6. 'सांप्रदायिकता या तो शक्ति संघर्ष के कारण उभर कर आती है या आपेक्षिक वंचन के कारण उभरती है।' उपयुक्त उदाहरणों को प्रस्तुत करते हुए तर्क दीजिए।

UPSC - CSE – 2017 : भारतीय समाज - 05/75

1. भारत की विविधता के सन्दर्भ में क्या यह कहा जा सकता है कि राज्य की अपेक्षा प्रदेश सांस्कृतिक इकाई का निर्माण करते हैं? अपने दृष्टिकोण के लिए उदाहरण सहित कारण दीजिए।
2. आजादी के बाद से अनुसूचित जनजातियों (एसटी) के खिलाफ भेदभाव को संबोधित करने के लिए राज्य द्वारा दो प्रमुख कानूनी पहल क्या हैं?
3. सहिष्णुता और प्रेम की भावना प्राचीन काल से ही भारतीय समाज की न केवल एक दिलचस्प विशेषता रही है, बल्कि यह वर्तमान में भी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। विस्तार से समझाएँ।
4. उन्नीसवीं सदी के सामाजिक सुधार आंदोलन के एक हिस्से के रूप में आधुनिक भारत में महिलाओं से संबंधित सवाल उठे। उस काल में महिलाओं से संबंधित प्रमुख मुद्दे क्या हैं? समझाएँ।
5. एक उदाहरण देते हुए धार्मिकता और सांप्रदायिकता के बीच भेद करें। स्वतंत्र भारत में धार्मिकता सांप्रदायिकता में कैसे परिवर्तित हो गई।

UPSC - CSE – 2016 : भारतीय समाज - 05/62.5

1. क्या भाषाई राज्यों के गठन ने भारतीय एकता के उद्देश्य को मजबूती प्रदान की है?
2. वैश्वीकरण ने भारत में सांस्कृतिक विविधता के आंतरक (कोर) को किस सीमा तक प्रभावित किया है? स्पष्ट कीजिए।
3. क्या कारण है कि भारत में जनजातियों को 'अनुसूचित जनजातियाँ' कहा जाता है? भारत के संविधान में प्रतिष्ठापित उनके उत्थापन के लिए प्रमुख प्रावधानों को सूचित कीजिए।
4. भारत में नगरीय जीवन की गुणता की संक्षिप्त पृष्ठभूमि के साथ, 'स्मार्ट नगर कार्यक्रम' के उद्देश्य और रणनीति बताइए।
5. प्रादेशिकता का क्या आधार है? क्या ऐसा प्रादेशिक स्तर पर विकास के लाभों के असमान वितरण से हुआ, जिसने कि अंतत: प्रादेशिकता को बढ़ावा दिया? अपने उत्तर को पुष्ट कीजिए।

UPSC - CSE – 2015 : भारतीय समाज - 07/87.5

1. भारत में विविधता के किन्हीं चार सांस्कृतिक तत्वों का वर्णन कीजिये और एक राष्ट्रीय पहचान के निर्माण में उनके आपेक्षिक महत्व का मूल्य निर्धारण कीजिये।
2. समालोचनापूर्वक परीक्षण कीजिये कि क्या बढ़ती हुई जनसंख्या निर्धनता का मुख्य कारण है या कि निर्धनता जनसंख्या वृद्धि का मुख्य कारण है।
3. आप उन आंकड़ों को किस प्रकार स्पष्ट करते हैं, जो दर्शाते हैं कि भारत में जनजातीय लिंगानुपात, अनुसूचित जातियों के बीच लिंगानुपात के मुकाबले, महिलाओं के अधिक अनुकूल हैं।
4. पिछले चार दशकों में, भारत के भीतर और भारत के बाहर श्रमिक प्रवसन की प्रवृत्तियों में परिवर्तनों पर चर्चा कीजिये।
5. भारत में महिलाओं पर वैश्वीकरण के सकारात्मक और नकारात्मक प्रभावों पर चर्चा कीजिये।
6. इस मुद्दे पर चर्चा कीजिये कि क्या और किस प्रकार दलित प्राख्यान (ऐसर्शन) के समकालीन आंदोलन जाति विनाश की दिशा में कार्य करते हैं।
7. 'भारत में स्मार्ट नगर स्मार्ट गाँवों के बिना जीवित नहीं रह सकते हैं।' ग्रामीण-नगरीय एकीकरण की पृष्ठभूमि में इस कथन पर चर्चा कीजिए।

UPSC - CSE – 2014 : भारतीय समाज - 05/50

1. भारत में एक मध्यम-वर्गीय कामकाजी महिला की अवस्थिति को पितृतंत्र (पेट्रिआर्की) किस प्रकार प्रभावित करता है?
2. क्या कारण है कि भारत के कुछ अत्यधिक समृद्ध प्रदेशों में महिलाओं के लिए प्रतिकूल स्त्री-पुरुष अनुपात है? अपने तर्क पेश कीजिए।
3. ऐसे विभिन्न आर्थिक और सामाजिक- सांस्कृतिक बलों पर चर्चा कीजिए, जो भारत में कृषि के बढ़ते हुए महिलाकरण को प्रेरित कर रहे हैं।
4. संयुक्त परिवार का जीवन चक्र सामाजिक मूल्यों के बजाय आर्थिक कारकों पर निर्भर करता है, चर्चा कीजिए।
5. धर्मनिरपेक्षता पर भारतीय वाद-विवाद, पश्चिम में वाद-विवादों से किस प्रकार भिन्न हैं?

UPSC - CSE – 2013 : भारतीय समाज - 04/40

1. भारत में तीव्र शहरीकरण प्रक्रिया ने जिन विभिन्न सामाजिक समस्याओं को जन्म दिया, उनकी विवेचना कीजिए।
2. "महिला संगठनों को लिंग-भेद से मुक्त करने के लिए पुरुषों की सदस्यता को बढ़ावा मिलना चाहिए।" टिप्पणी कीजिए।
3. भारत में वृद्ध जनसमूह पर वैश्वीकरण के प्रभाव का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए।
4. प्रादेशिकता की बढ़ती हुई भावना, पृथक् राज्य की मांग का प्रमुख कारण है। विवेचना कीजिए।

✪✪✪✪✪